Export of Cotton Yarn to Hungary

*708. **Shri Gumanand Thakur:**
Shri S. M. Banerjee:
Shri Indrajit Gupta:

Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) whether the S.T.C. has concluded any deal with Hungary in regard to the export of cotton yarn towards the end of last year;

(b) if so, the quantity and value involved;

(c) the rate at which the S.T.C. agreed to supply yarn to the Hungarians;

(d) the purchase price paid by the S.T.C. to the Indian mills/yarn producers;

(e) the margin between the rate of purchase and the rate of export;

(f) the profit or loss involved; and

(g) whether any inquiry has been ordered into this transaction?

The Minister of Commerce (Shri Dinesh Singh): (a) Yes, Sir.

(b) 700 tons of 12s cotton yarn valued at Rs. 45,73,800.

(c) At Rs. 29.70 per 10 lbs. c.i.f. Rijeka.

(d) An average price of Rs. 29.64 per 10 lbs. for Bombay.

(e) The purchase price including cost towards fobbing, insurance, freight, was Rs. 34.14 per 10 lbs. C.I.F. Margin between C.I.F. realisation and C.I.F. purchase price will be Rs. 4.44 per 10 lbs.

(f) A loss of Rs. 6,83,540.00 is anticipated.

(g) No, Sir.

Production of Khadi

*709. **Shri D. C. Sharma:**
Shri Hem Raj:

Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) whether the Khadi and Village Industries Commission has urged the Union Government to reserve certain varieties of cloth for production by the khadi sector to ease the "crisis" in the industry; and

(b) if so, the decision taken in the matter?

The Deputy Minister in the Ministry of Commerce (Shri Shafi Qureshi): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

उत्तर बिहार का औद्योगिक विकास

*710. **श्री तु० राम :** क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि औद्योगिक विकास की दृष्टि से उत्तर बिहार देश का सब से पिछड़ा हुआ क्षेत्र है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद से अब तक बरौनी को छोड़ कर कहीं भी कोई दूसरा औद्योगिक कारखाना स्थापित नहीं किया गया है ; और

(ग) उत्तर बिहार में उद्योगों की स्थापना करने में क्या मुख्य रुकावटें या बाधाएं हैं और उनको दूर करने के लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की है?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) से (ग). देश के औद्योगिक विकास की योजना बनाते समय सरकार किसी एक राज्य के समूचे क्षेत्र को एक ही एकक के रूप में समझती है । बिहार राज्य में कई औद्योगिक एकक स्थापित किये जा चुके हैं । एक राज्य में किसी विशेष औद्योगिक एकक की स्थापना मुख्यत: आर्थिक बातों पर आधारित होती है ।

बरौनी तेल शोधक कारखाने के अतिरिक्त कुछ और औद्योगिक एकक उत्तर बिहार में स्थापित किए गए हैं जैसे चीनी मिलें, कागज बनाने के कारखाने और पाइराइट्स अयस्क खनन ।

उत्तर बिहार मुख्यत: प्रधान क्षेत्र है । फिर भी सरकार ने बरौनी में उर्वरक बनाने

के कारखाने, अखबारी 'कागज/लुग्दी बनाने के कारखाने तथा फल परिरक्षण एककों की स्थापना का निर्णय बिहार राज्य में उद्योगों की स्थापना करने सम्बन्धी कार्यक्रम के अंग के रूप में किया है ।

"बियर" बनाने के लिये जौ का प्रयोग

*711. श्री रामगोपाल शालवाले : क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या लाखों मन जौ 'बियर' बनाने के काम में लाया जाता है, जब कि खाद्य पदार्थ के रूप में जौ उतना ही अच्छा है, जितना गेहूं ; और

(ख) यदि हां, तो क्या मद्यनिषेध की नीति तथा अनाज को बचाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सरकार का विचार 'बियर' बनाने के लिये जौ का प्रयोग बन्द करने का है ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) और (ख). बियर बनाने में लगभग 4,000 मी० टन जौ का इस्तेमाल किया जा रहा है । इस प्रयोजन के लिये जौ का इस्तेमाल मना किये जाने के बारे में कोई भी प्रस्ताव नहीं है ।

फिर भी बियर को कुछ वर्षों से लाइसेंस दिये जाने पर रोक लगाये गये उद्योगों की सूची में रख दिया गया है और बियर बनाने के लिये कोई नये लाइसेंस नहीं दिये गये हैं ।

श्रीलंका के साथ व्यापार

*712. श्री यज्ञदत्त शर्मा :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री बेनी शंकर शर्मा :
श्री ओ० प्र० त्यागी :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री रामगोपाल शालवाले :
श्री शिव कुमार शास्त्री :
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 5 जून, 1967 के 'इन्डियन एक्सप्रेस' समाचार पत्र के दिल्ली संस्करण में प्रकाशित इस आशय के समाचार की ओर दिलाया गया है कि श्री लंका के व्यापार मंत्री ने भारत के साथ व्यापार कम करने की घोषणा की है ;

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ; और

(ग) इसके परिणामस्वरूप भारत का विदेशी मुद्रा की कितनी हानि होगी ?

वाणिज्य मंत्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) जी, हां । किन्तु हमें पता चला है कि समाचार वास्तव में सही नहीं है ।

(ख) और (ग). प्रश्न नहीं उठते ।

नेपाल को कपड़े का निर्यात

*713. श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :
श्री शिव कुमार शास्त्री :
श्री रामावतार शर्मा :
श्री राम गोपाल शालवाले:
श्री ओंकार लाल बेरवा :
डा० सूर्य प्रकाश पुरी :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नेपाल को भारतीय सूती कपड़े का निर्यात कम हो गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या इस कमी का